।देवकेंद्रविभन्नस्यः [गुन्नु न वर्यों ने गेंस्का केर् **~~~** रचिषाय विर रिवार्विकारोर्वस्थार स्ट्रेट्सर्ट्या द्वारक वेसक विश्वेत रर वैदक्षश्ची राजायूर. सै बोर्श्य विवास र चे र वेश्व अर संद्व में वेश स्वास के प्रदर्श में बार्ष र

बर्ण वेत्रुव्रिवित्यु स्तर्वित्य वित्रुव्यु स्वर्क्षिय स्वर्म स्वर्मा स्वरंभा स्वर्मा स्वरंभा स्वरंभा

सीर्ताने वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्

र्त्य में श्री भाग में देव हैं या

द्याक्ष्यायं ग्रम्पत्वेदायस्य

ဇာ

129472

हित्र वैत्ववस्थयक्षार्

शक्षरह्या

विर्मालप्रियम्बार्म्यात्र्यात्रे

विम् दिहे दकर वातुंका धारनाले दशहे।